

138

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल , विश्वविद्यालय , धनबाद
स्नातकोत्तर -हिन्दी विभाग

समय-3 घंटे

पृष्ठांक-100

शोध पंजीयन हेतु निर्धारित जॉच परीक्षा का पाठ्यक्रम
(DEET) (Syllabus) 2021

- इकाई-1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की परिस्थितियाँ , प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि -अमीर खुसरो, चंदबरदायी, विद्यापति, कबीर, जायसी, सूर, तुलसी, मीराबाई, बिहारी लाल ।
- इकाई-2 आधुनिक काल- हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास भारतेंदु युग, द्विवेदी युग , छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद के प्रमुख कवि और उनके काव्य, नई कविता, समकालीन कविता और उनकी काव्य-प्रवृत्तियाँ ।
- इकाई-3 गद्य साहित्य की विभिन्न विधाएँ एवं उनके रचनाकार , उपन्यास, नाटक, एकांकी कहानी, आलोचना, निबंध , संस्मरण और रेखा-चित्र, रिपोर्टाज का उद्भव और विकास । दलित-विमर्श, स्त्री-विमर्श, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद अज्ञेय , मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, मृदुला गर्ग, कृष्णा सोबती का कृतित्व ।
- इकाई-4 राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, भाषा का वर्गीकरण आकृति मूलक एवं पारिवारिक, भारतीय काव्य-शास्त्र- रस-सिद्धान्त, काव्य-लक्षण, शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष, पाश्चात्य काव्य - शास्त्र-विरेचन सिद्धान्त (अरस्तु) आई० ए० रिचर्डस-मूल्य सिद्धान्त, टी०एस० इलिट्ट -संरचनावाद ।

लगातार पृष्ठ सं० 2 पर

इकाई-5 प्रयोजनमूलक हिन्दी, जन-संचार के माध्यम, पत्रकारिता का उद्भव और विकास तथा दायित्व, हिन्दी-नव जागरण, झारखण्ड के हिन्दी साहित्य का परिदृश्य और उसके प्रमुख रचनाकार ।

सामान्य निर्देश :-

इसमें खण्ड- 'क' के अन्तर्गत बहुविकल्पीय 20 प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक 2 अंकों के देने होंगे) तथा खण्ड - 'ख' से प्रत्येक प्रत्येक 5 अंक के (18 प्रश्नों में से 12) प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

अंक विभाजन- खण्ड 'क' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य) $2 \times 20 = 40$
 खण्ड 'ख' लघुउत्तरीय (18 प्रश्नों में से 12) $\frac{12 \times 05 = 60}{\text{कुल अंक} - 100}$

विनोद विहारी मधो श्रीगणेश
 विशुद्धिदाला के लेखक पर
 प्रकाशनायक समर्पित

29.01.2021

प्रकाशनायक
 विनोद विहारी मधो